



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड  
THDC INDIA LIMITED  
(अनुसूची 'ए', मिनी रत्न पीएसयू)  
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)



# जांगावतरणम् JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

मई, 2026



विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...

समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...



**मुख्य संरक्षक**  
**श्री सिपन कुमार गर्ग**  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

**संपादक**  
**डॉ. ए. एन. त्रिपाठी**  
मुख्य महाप्रबंधक  
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

**उप संपादक**  
**डॉ. काजल परमार**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**विशिष्ट सहयोग**  
**श्री पंकज कुमार शर्मा**  
उप प्रबंधक (राजभाषा)

**सहायक संपादक**  
**श्री ईशान भूषण**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**समन्वयक**

**टिहरी**  
**श्री मनबीर सिंह नेगी**  
प्रबंधक (जनसंपर्क)

**खुर्जा**  
**श्री प्रभात कुमार**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**पीपलकोटी**  
**श्री यतवीर सिंह चौहान**, प्रबंधक (जनसंपर्क)  
व **श्री अविनाश कुमार**  
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

**ऋषिकेश**  
**श्री अभिषेक तिवारी**  
जनसंपर्क अधिकारी



## संपादकीय

प्रिय पाठकों,  
‘गंगावतरणम्’ के इस नवीन अंक में आपका हार्दिक स्वागत है।

हर माह की तरह यह अंक भी टीएचडीसी परिवार की गतिविधियों, अनुभवों और प्रयासों को समेटे हुए आपके समक्ष प्रस्तुत है। बीता माह विविधताओं से परिपूर्ण रहा, जिसमें संगठन के विभिन्न आयामों जैसे

प्रशासन, मानव संसाधन, राजभाषा, श्रमिक कल्याण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरण संरक्षण, से जुड़ी अनेक सार्थक पहलें देखने को मिलीं।

किसी भी संस्थान की पहचान केवल उसकी परियोजनाओं या उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि उन मूल्यों से होती है जिन्हें वह अपने दैनिक कार्यों में आत्मसात करता है। इस माह आयोजित संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति के राजभाषा निरीक्षण एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम ने राजभाषा हिंदी के संवर्धन के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। वहीं, हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों ने भाषा, साहित्य और ज्ञान-संवर्धन के प्रति कर्मचारियों की रुचि को एक नया मंच प्रदान किया।

मानव संसाधन किसी भी संगठन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं। इसी सोच के साथ विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों में स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और जागरूकता से जुड़ी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। खुर्जा परियोजना में आयोजित स्वास्थ्य शिविर, टिहरी में “सकारात्मक सोच, व्यवहार एवं कर्मयोग” विषय पर कार्यशाला तथा एचआरडी केंद्र द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने सीखने और स्वयं को निरंतर विकसित करने की संस्कृति को प्रोत्साहित किया।

सामाजिक सरोकारों के प्रति टीएचडीसी की प्रतिबद्धता भी इस माह की गतिविधियों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। ‘मिशन शक्ति-2026’ के माध्यम से बालिका शिक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयास हों या श्रमिकों के कल्याण के लिए आयोजित बीओसीडब्ल्यू पंजीकरण शिविर, प्रत्येक पहल समाज के विभिन्न वर्गों तक सकारात्मक परिवर्तन पहुँचाने की भावना से प्रेरित रही। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के आयोजन तथा नवीन श्रम संहिताओं पर आयोजित जागरूकता सत्रों ने श्रमिक हितों और जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

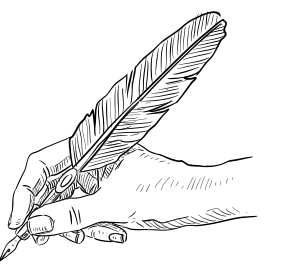
इसके साथ ही, स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों ने हमें यह स्मरण कराया कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक सतत जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ कार्यस्थल की दिशा में सामूहिक सहभागिता ही स्थायी विकास का आधार बनती है।

‘गंगावतरणम्’ केवल गतिविधियों का संकलन नहीं, बल्कि टीएचडीसी परिवार की सामूहिक यात्रा का दस्तावेज है। यह उन प्रयासों, विचारों और अनुभवों को साझा करने का माध्यम है जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं और संगठनात्मक संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं।

हम आशा करते हैं कि इस अंक की सामग्री आपको जानकारी के साथ-साथ प्रेरणा भी प्रदान करेगी। आप सभी पाठकों से अनुरोध है कि अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ, लेख, अनुभव एवं सुझाव हमें भेजते रहें, ताकि यह पत्रिका निरंतर आपके सहयोग से और अधिक जीवंत एवं समृद्ध बनती रहे।

सादर।

**डॉ. ए. एन. त्रिपाठी**  
संपादक





टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड  
THDC INDIA LIMITED

(अनुसूची 'ए' मिनो रन केटेगरी-1, पीएसयू, एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी)  
(Schedule 'A' Mini Ratna Category-1 PSU, a subsidiary of NTPC Limited)



# विश्व पर्यावरण दिवस-2026

## अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय साथियों,

विश्व पर्यावरण दिवस-2026 एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना को साकार करने का अवसर है, जहाँ प्रगति और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ आगे बढ़ें। यह दिवस हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा सतत विकास के प्रति अपने संकल्प को और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का विषय "प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।" है। यह विषय हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सतत भविष्य सुनिश्चित करने का संदेश देता है। प्रकृति केवल जीवन का आधार नहीं है, बल्कि वह हमें संतुलन, संरक्षण और उत्तरदायी प्रगति का मार्ग भी दिखाती है।


आज सम्पूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन तथा प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बन गया है। प्रत्येक व्यक्ति, संस्था और उद्योग को पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए सतत एवं संतुलित प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना होगा।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। जलविद्युत, सौर एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास के माध्यम से हम देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और पर्यावरण संरक्षण के राष्ट्रीय लक्ष्यों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। हमारी परियोजनाओं में पर्यावरणीय संतुलन, जल संसाधनों के संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा हरित विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

विश्व पर्यावरण दिवस हमें अपने दैनिक जीवन एवं कार्यस्थलों पर पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार को अपनाने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग में कमी जैसे छोटे-छोटे कदम भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़े परिवर्तन ला सकते हैं।

आइए, इस अवसर पर हम सभी मिलकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पुनः संकल्प लें तथा एक स्वच्छ, हरित और जलवायु-सुरक्षित भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान दें। यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सच्ची प्रतिबद्धता होगी।

5 जून 2026

 **सिपन कुमार गर्ग**  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रकृति का सम्मान, जीवन का सम्मान।

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति के द्वारा राजभाषा निरीक्षण एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम



राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और सरकारी कामकाज में इसके प्रभावी कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा दिनांक 22 मई, 2026 से 25 मई, 2026 तक होटल जे.पी. रेजिडेंसी, मसूरी में एक उच्च स्तरीय निरीक्षण एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान समिति ने विभिन्न नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (नराकासों) के अध्यक्षीय कार्यालयों तथा उनके अधीन आने वाले कुछ सदस्य संस्थानों के कार्यों की गहन समीक्षा की।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), श्री भर्तृहरि महताब ने की। उनके साथ समिति के माननीय सदस्यगण व वरिष्ठ सांसद — डॉ. दिनेश शर्मा (राज्य सभा), श्री श्रीयुत श्रीरंग आप्पा बारणे (लोक सभा), श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह (लोक सभा), श्री शंकर लालवानी (लोक सभा) तथा श्री सतीश कुमार गौतम (लोक सभा) भी उपस्थित रहे। प्रशासनिक सहयोग हेतु समिति के वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, श्री इरफान अहमद खान, रिपोर्टर श्रीमती शिवानी चन्द्रा और समिति सहायक, श्री राहुल गुप्ता ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

क्रमवार निरीक्षण एवं समीक्षा बैठकें:

**नराकास टिहरी का निरीक्षण:** दिनांक 22 मई, 2026 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी (अध्यक्षीय कार्यालय) के तत्वावधान में नराकास टिहरी की समीक्षा की गई। बैठक में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, टिहरी के मुख्य महाप्रबंधक (टीसी) व नराकास अध्यक्ष, श्री आर.आर. सेमवाल तथा सदस्य सचिव व सहायक प्रबंधक, सुश्री बानी शुक्ला की उपस्थिति में 06 अन्य सदस्य कार्यालयों के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया गया।

**नराकास हरिद्वार का निरीक्षण:** इसी क्रम में 22 मई को ही नराकास हरिद्वार के अध्यक्षीय कार्यालय, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश की समीक्षा की गई। इसमें मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) व नराकास हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ. अमर नाथ त्रिपाठी तथा सदस्य सचिव व उप प्रबंधक श्री पंकज कुमार शर्मा के साथ 06 सदस्य संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श बेहद सफल रहा।

**नराकास चमोली का निरीक्षण:** दिनांक 23 मई, 2026 को एनटीपीसी (NTPC) जोशीमठ के अध्यक्षीय कार्यालय के साथ-साथ समिति ने विशेष रूप से टीएचडीसी के वीपीएचईपी (VPHEP) पीपलकोटी कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पीपलकोटी के कार्यालय प्रमुख एवं कार्यपालक निदेशक, श्री अजय वर्मा तथा वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री वी.डी. भट्ट सहित 05 अन्य कार्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

**भव्य स्वागत एवं प्रमाण-पत्र वितरण:** प्रत्येक कार्यक्रम के भव्य शुभारंभ पर संबंधित नराकास के अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत आलेख एवं साक्ष्य समिति के माननीय अध्यक्ष एवं सभी संसद सदस्यों का शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर पारंपरिक और आत्मीय अभिनंदन किया गया। विस्तृत समीक्षा और विचार-विमर्श के सत्र सफलतापूर्वक संपन्न होने पर उप समिति द्वारा विभिन्न नराकासों को उनके उत्कृष्ट राजभाषा कार्यों के लिए आधिकारिक प्रमाण-पत्र (Certificates) प्रदान किए गए।

यह संपूर्ण निरीक्षण कार्यक्रम उत्तराखंड एवं इसके आस-पास के क्षेत्र के विभिन्न केंद्र सरकार के कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में राजभाषा के गौरव को बढ़ाने तथा प्रशासनिक कार्यों में हिंदी की स्वीकार्यता को और सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।



## खुर्जा परियोजना में हेल्थ कैम्प का सफल आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य कल्याण हेतु दिनांक 07 मई 2026 को एक हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। यह शिविर सर्वोदय हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से परियोजना परिसर स्थित सरस्वती अतिथि गृह में लगाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) एवं अन्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। श्री कुमार शरद ने सर्वोदय हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. निखिल वलसंगकर, डॉ. भूपल सिंह, डॉ. पवन एवं अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों का प्लांट भेंट कर स्वागत किया।

डॉ. प्रभात कुमार (सहायक प्रबंधक, जनसंपर्क) ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस हेल्थ कैम्प का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान ऑर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी एवं जनरल फिजिशियन द्वारा व्यक्तिगत परामर्श दिया गया एवं ब्लड प्रेशर (BP), शुगर, ईसीजी (ECG), और बीएमडी (BMD) समेत कई आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क किए गए। इस अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) ने अपने संबोधन में कहा कि "एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। स्वस्थ व्यक्ति ही कार्यस्थल पर भी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकता है।" इस कैम्प में परियोजना के अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों सहित कुल 110 लोगों ने अपनी जाँच कराई।

चिकित्सकों ने उपस्थित जनसमूह को संतुलित जीवनशैली अपनाने और नियमित व्यायाम करने की सलाह दी। समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने प्रबंधन की इस पहल को स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

कार्यक्रम के अंत में श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) ने सभी चिकित्सकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) समेत परियोजना के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## Awareness Session on Implementation of New Labour Codes Conducted at Amelia Coal Mine Project

An awareness session on the implementation of the new Labour Codes was conducted at the Amelia Coal Mine Project on 16<sup>th</sup> May, 2026 with the objective of enhancing awareness and ensuring statutory compliance among contractors, Engineers-in-Charge (EICs), HR officials, and associated agencies engaged at the project. The session was addressed by Shri Rajendra Singh Rajput, Assistant Labour Commissioner (Central), Shahdol, who shared valuable insights on the provisions of the new Labour Codes, digital labour administration systems, and evolving compliance requirements. Key topics discussed included timely payment of wages, issuance of appointment letters, maintenance of digital records, registration through the Shram Suvidha Portal, and implementation of statutory benefits such as PF, ESI, gratuity, maternity benefits, and worker welfare measures. The session also highlighted occupational safety provisions, annual medical examinations, and the new inspection framework under the Labour Codes. Senior officials, representatives of M/s ACML, contractor agencies, contract workers, and engineering personnel participated in the program. The session proved highly informative and reinforced the commitment towards statutory compliance, worker welfare, and transparent labour management practices at the project.

आकारश्चाद्यमानोऽपि न शक्यो विनिगूहितुम्।  
Even if covered, one's true form or nature cannot be concealed.

स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के माध्यम से टीएचडीसी ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया

ऋषिकेश



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक 'स्वच्छ और हरित भारत' के विज़न के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया है। यह पखवाड़ा 16 मई से 31 मई 2026 तक निगम के सभी कार्यालयों, परियोजना स्थलों और परिचालन इकाइयों में मनाया गया। श्री सिपन कुमार गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अवगत कराया कि टीएचडीसी द्वारा स्वच्छता, साफ-सफाई, स्वच्छता व्यवस्था, पर्यावरण जागरूकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समर्पित प्रयासों के साथ 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया गया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पहल टीएचडीसी की स्वच्छता और पर्यावरणीय सततता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामूहिक ज़िम्मेदारी और जन-जागरूकता के माध्यम से एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण के प्रति टीएचडीसीआईएल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस अवसर के उपलक्ष्य में, कार्यपालक निदेशक (सी एंड एमएम और सीपी), श्री नीरज वर्मा ने ऋषिकेश स्थित टीएचडीसीआईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में स्वच्छता की शपथ दिलाई, जिसमें स्वच्छता बनाए रखने और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति सामूहिक संकल्प की पुष्टि की गई। स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत, टीएचडीसी के परियोजना स्थलों और आस-पास के समुदायों में जागरूकता और आउटरीच से संबंधित कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वच्छता, साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, "स्वच्छ भारत, हरित भारत, स्वस्थ भारत" की थीम पर आधारित नुक्कड़ नाटकों की एक श्रृंखला ऋषिकेश के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों (जिनमें जानकी सेतु और त्रिवेणी घाट शामिल हैं) में आयोजित की गई। नरेंद्र महिला विद्यालय, बागी की छात्राओं द्वारा इसी तरह के जागरूकता प्रदर्शन टिहरी-गढ़वाल में टीएचडीसी के प्रशासनिक भवन, मैकेनिकल कार्यालय कोटी और टिहरी झील बोटिंग पॉइंट पर भी आयोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त, झांसी, अमेलिया कोयला खदान परियोजना, 1000 मे.वा. टिहरी एचपीपी, 444 मे.वा. वीपीएचईपी यूनिट, 400 मे.वा. कोटेश्वर, 1320 मे.वा. खुर्जा एसटीपीपी, नमसाई ट्रांजिट कैम्प, अरुणाचल प्रदेश सहित विभिन्न परियोजना स्थलों पर स्वच्छता अभियान, चित्रकला प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन गतिविधियां, जागरूकता कार्यशालाएं, हस्ताक्षर अभियान एवं स्वच्छता जागरूकता रैलियां जैसी कई समुदाय-केंद्रित पहलें आयोजित की गईं। इन गतिविधियों का केंद्र विशेष रूप से छात्रों, महिलाओं और स्थानीय निवासियों के बीच पर्यावरण चेतना, स्वच्छता जागरूकता, कचरा प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर रहा।

मासिक धर्म स्वच्छता और महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष जागरूकता सत्र कई स्थानों पर आयोजित किए गए, जिनमें छात्राओं, महिलाओं और कर्मचारियों ने उचित स्वच्छता प्रथाओं और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संवादात्मक चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। समुदायों में स्वस्थ और किफायती प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सैनिटरी नैपकिन और बायोडिग्रेडेबल बैग का वितरण भी किया गया।

इन प्रक्रियाधीन पहलों के माध्यम से, टीएचडीसी पर्यावरण सततता, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मज़बूत कर रहा है। साथ ही नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ परिवेश बनाए रखने में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

टिहरी



खुर्जा





कोटेश्वर



पीपलकोटी



कौशांबी



अरुणाचल प्रदेश



अमेलिया



झांसी



कासरगोड

टिहरी में “सकारात्मक सोच, व्यवहार एवं कर्मयोग” विषय पर कार्यशाला का आयोजन



देहरादून

टिहरी परियोजना में 08 मई, 2026 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण हेतु बहुउद्देशीय सभागार, भागीरथीपुरम में “सकारात्मक सोच, व्यवहार एवं कर्मयोग” विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास, सकारात्मक सोच तथा कार्यकुशलता में वृद्धि करना था।

कार्यशाला का शुभारम्भ अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा/ गुणवत्ता नियन्त्रण) श्री बी.डी. सेमवाल, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री डी.पी. गैरोला, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री सी.एम. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (सतर्कता) श्री जे.पी. चमोली, प्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री मनबीर सिंह नेगी, प्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) श्री दीपक उनियाल, श्रीमती कविता श्रीस्वाल, श्रीमती निधि बाजपेई, श्रीमती सीमा गुप्ता एवं ब्रह्माकुमारी की तरफ से आए वक्ताओं में पूर्णिमा, हरीश, नितिश डबराल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा जी द्वारा सकारात्मक सोच के महत्व, कार्यस्थल पर बेहतर व्यवहार तथा कर्मयोग की भावना से कार्य करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं द्वारा अपने संबोधन में सकारात्मक सोच को जीवन एवं कार्यक्षेत्र में सफलता की कुंजी बताया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा वक्ताओं से विभिन्न प्रश्न पूछे गए, जिनका वक्ताओं द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

## THDCIL Signs Long-Term PPA with GUVNL for 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project



A significant milestone has been achieved in strengthening the nation's clean energy transition with the signing of a long-term Power Purchase Agreement (PPA) between THDC India Limited and Gujarat Urja Vikas Nigam Limited for sale of power from the THDCIL's upcoming Kalai-II HEP (1200 MW) located in the North-Eastern region of India.

The agreement demonstrates the continued commitment of both organizations towards enhancing regional cooperation in the power sector, collaborative growth, sustainable development and strengthening of the national power sector especially in the green energy.

On this occasion, Shri Sipan Kumar Garg, Chairman & Managing Director, THDCIL, appreciated the dedicated efforts of the teams of both organizations for successfully concluding the agreement. He stated that the partnership reflects a shared commitment towards development of clean energy infrastructure and strengthening the nation's energy security.

Shri Garg further highlighted that the Kalai-II HEP shall provide long-term environmental and economic benefits, besides supporting the Government of India's vision for increasing the share of renewable and sustainable energy sources in the national energy mix.

The Power Purchase Agreement was signed by Shri R K Verma, GM(Commercial) on behalf of THDC India Limited and Shri Sanjay Mathur, GM (Commerce) on behalf of GUVNL. On this occasion Sh. Hemang Patel, Deputy Engineer (Commerce) from GUVNL, Sh. Neeraj Kumar AGM (Commercial-Finance) and other officers from THDCIL, GUVNL were also present.

## देहरादून कार्यालय में 'नशा मुक्त भारत अभियान' आयोजित

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के समन्वय कार्यालय, देहरादून में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण तथा मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को नशे के दुष्प्रभावों तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण करते हुए समाज में जागरूकता फैलाने और नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।



## टीएचडीसीआईएल की पहल 'मिशन शक्ति-2026' से बालिका शिक्षा एवं सशक्तिकरण को नई दिशा



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 21 मई, 2026 को 1320 मेगावाट खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना में सेवा-टीएचडीसी के अंतर्गत अपनी सीएसआर पहल के तहत, आसपास के गांवों की 10-12 वर्ष आयु वर्ग की 30 वंचित बालिकाओं के लिए "मिशन शक्ति- 2026" का शुभारंभ किया। रिपब्लिक फेडरेशन सोसाइटी के सहयोग से 21 मई, 2026 से 14 जून, 2026 तक आयोजित किया जा रही यह 25 दिवसीय गैर-आवासीय कार्यशाला बालिकाओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने हेतु विशेष रूप से तैयार की गई है। इस कार्यशाला के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, आत्मरक्षा, आत्मविश्वास निर्माण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता, कला एवं शिल्प, शारीरिक शिक्षा तथा बुनियादी शिक्षा से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर प्रतिभागी छात्राओं को ट्रॉली बैग, स्कूल बैग, ट्रैकसूट, स्पोर्ट्सवियर, स्टेशनरी, योग किट, पानी की बोतलें तथा अन्य आवश्यक सामग्रियों सहित किट प्रदान किए गए, जिससे उन्हें कार्यक्रम के दौरान एवं आगे भी सहायता मिल सके। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर श्री हर्ष कुमार जिंदल, महाप्रबंधक (सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री संदीप भटनागर, महाप्रबंधक (वित्त), तथा मंजरी लेडीज़ क्लब से श्रीमती बनिता शरद एवं श्रीमती रीता साहू भी उपस्थित रहीं। इस पहल को अपना सहयोग प्रदान करते हुए मंजरी लेडीज़ क्लब छात्राओं के कल्याण एवं जागरूकता के लिए दंत स्वच्छता शिविर, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता सत्र तथा अन्य विकासात्मक गतिविधियों के माध्यम से भी योगदान दे रहा है। अभिभावकों ने अपनी बालिकाओं के सशक्तिकरण एवं विकास हेतु इस सार्थक पहल के लिए टीएचडीसीआईएल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारीगण, मंजरी लेडीज़ क्लब के सदस्य, छात्राएं एवं अभिभावक भी उपस्थित रहे।

## टीएचडीसीआईएल के वीपीएचईपी में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) में 01 मई, 2026 को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर परियोजना चिकित्सालय द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर तथा मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग द्वारा नवीन श्रम संहिता विषयक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वीपीएचईपी स्थित संजीवनी क्लब परिसर में किया गया, जिसमें कर्मचारियों, श्रमिकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अजय वर्मा, कार्यपालक निदेशक (वीपीएचईपी) द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन एवं राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

Continued on page no. 10

**आकारश्चाद्यमानोऽपि न शक्यो विनिगूहितुम्।  
Even if covered, one's true form or nature cannot be concealed.**

**खुर्जा परियोजना में श्रमिकों हेतु BOCW पंजीकरण शिविर का किया गया आयोजन**



20 मई, 2026 को टीएचडीसी की खुर्जा परियोजना में कार्यरत निर्माण श्रमिकों के लिए BOCW (भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम) के अंतर्गत एक विशेष पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य निर्माण क्षेत्र में लगे कामगारों को सरकारी कल्याणकारी सुविधाओं और सुरक्षा तंत्र से सीधे जोड़ना है। इस शिविर के माध्यम से श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें प्रणाली का हिस्सा बनाने का प्रयास किया गया।

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें शिशु एवं मातृत्व सहायता, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना और कन्या विवाह सहायता योजना प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता और आपदा राहत सहायता जैसी योजनाएं श्रमिकों को विषम परिस्थितियों में संबल प्रदान करती हैं। इन सभी लाभों को प्राप्त करने के लिए BOCW अधिनियम के तहत पंजीकरण अनिवार्य है।

पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद श्रमिक न केवल उत्तर प्रदेश सरकार, बल्कि भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के पात्र हो जाते हैं। इसके अंतर्गत पंजीकृत कामगारों को नियमित अवकाश, जीवन बीमा और उनके परिवार व बच्चों के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभ सुनिश्चित किए जाते हैं। खुर्जा परियोजना प्रबंधन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन हो ताकि कोई भी पात्र श्रमिक इन लाभों से वंचित न रहे।

इस शिविर के सफल आयोजन में टीएचडीसी की मानव संसाधन टीम और बुलंदशहर के श्रम विभाग के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। बुलंदशहर के कार्यवाहक श्रम आयुक्त ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर श्री अरविन्द कुमार धीमान (श्रम प्रवर्तन अधिकारी, बुलंदशहर), श्री संजीव नौटियाल (प्रबंधक, मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री सूर्य नारायण सिंह (सहायक प्रबंधक) और श्री प्रभात कुमार (सहायक प्रबंधक) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

**टीएचडीसीआईएल के वीपीएचईपी में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन** Continued from page no. 9

उन्होंने कहा कि विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाओं की सफलता श्रमिकों एवं कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और अनुशासन पर आधारित है। उन्होंने श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए नवीन श्रम संहिता के प्रति जागरूकता को समय की आवश्यकता बताया।

इस अवसर पर श्री आर.पी. मिश्रा, महाप्रबंधक (बांध), श्री एच.के. त्यागी, अपर महाप्रबंधक (एस एंड ई), श्री बी.एस. पुंडीर, अपर महाप्रबंधक (नियोजन एवं सुरक्षा), श्री एस.पी. डोभाल, अपर महाप्रबंधक (पीएच/टीआरटी), श्री संजय ममगाई, अपर महाप्रबंधक (एचएम/मैकेनिकल), श्री अजय कुमार, अपर महाप्रबंधक (जी एंड जी), श्री आर.एस. पंवार, उप महाप्रबंधक (सीओ), श्री एस.सी. भट्ट, उप महाप्रबंधक (क्यूसी) एवं श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर के दौरान कर्मचारियों एवं श्रमिकों को स्वास्थ्य परामर्श एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा प्रदान की गई। वहीं, नवीन श्रम संहिता विषयक जागरूकता कार्यशाला में श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, व्यावसायिक सुरक्षा तथा श्रमिक अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई, जिससे उपस्थित कर्मचारियों एवं श्रमिकों में नवीन श्रम सुधारों के प्रति जागरूकता बढ़ी।

## Meeting regarding Rehabilitation & Resettlement of Project Affected Families (PAFs) of Kalai-II HEP



The 1200 MW Kalai-II Hydro Electric Project (HEP), being developed by THDC India Limited in the ecologically rich and strategically significant region of Arunachal Pradesh, is envisaged as a major contributor to India's renewable energy capacity expansion and the socio-economic development of the North Eastern Region. The project recently achieved a significant milestone with the grant of Stage-I Forest Clearance on 26 May, 2026, following the investment approval accorded by the Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA) on 08 April, 2026 under the chairmanship of the Hon'ble Prime Minister of India.

In continuation of the stakeholder consultation process and in accordance with the provisions of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013 (LARR Act, 2013), a meeting on the Rehabilitation & Resettlement (R&R) framework for Project Affected Families (PAFs) was convened on 03 June, 2026 at the DC Conference Hall, Hawaii. The meeting was chaired by Shri Milo Kojin, Deputy Commissioner, Anjaw District, and witnessed active participation from village representatives, public leaders, and stakeholders from the nine villages, namely 5 KM Camp/Pranlung, Chiquenty, Krosam, Pranju, Samdul, Pranju Labour Camp, Blui, Nukung, and Sanglang.

The meeting was attended by Officials of District Administration, Anjaw namely Sh. Dakli Gara, SDO, Sh. Vikhelum Bellai, AC, Sh. Budhi Gyaty, DLR&SO, Sh. Baroum Massong, ZPM Hawaii North & Sh. A.K Tiwari, Liaison Officer.

Senior officials of THDC India Limited, including Sh. Prem Singh Rawat, General Manager (APP), Sh. T.K. Kotiyal, Deputy General Manager (Civil), Sh A.K. Vidyarthi, DGM (APP) and Shri S.S. Rana, Manager (HR & Administration), participated in the deliberations and presented a detailed overview of the proposed Rehabilitation & Resettlement package through an interactive presentation highlighting the proposed rehabilitation measures.

This was in line with the exposure visits undertaken by village representatives, public leaders, and officials of the Department of Hydropower Development (DHPD), Government of Arunachal Pradesh, to the iconic Tehri Hydro Power Complex and New Tehri Township in Uttarakhand. These visits provided stakeholders with first-hand insights into THDCIL's experience in large-scale hydroelectric development and the comprehensive Rehabilitation & Resettlement measures implemented across various dimensions, including township development, livelihood generation, environmental conservation, infrastructure creation, and community welfare.

THDC India Limited reiterated that the interests of local communities remain integral to project implementation & that it remains committed to developing the project in a manner that balances national energy security objectives creating opportunities for infrastructure development, enhanced connectivity, employment generation, and long-term economic growth in the region.

The meeting concluded on a positive and constructive note, with stakeholders appreciating the shared commitment of the District Administration, local communities, and THDC India Limited towards all Project Affected Families.



Various Activities Conducted under Swachhata Pakhwada 2026



Tehri



Khurja



New Tehri



Namsai, APP



Koteshwar



Amelia



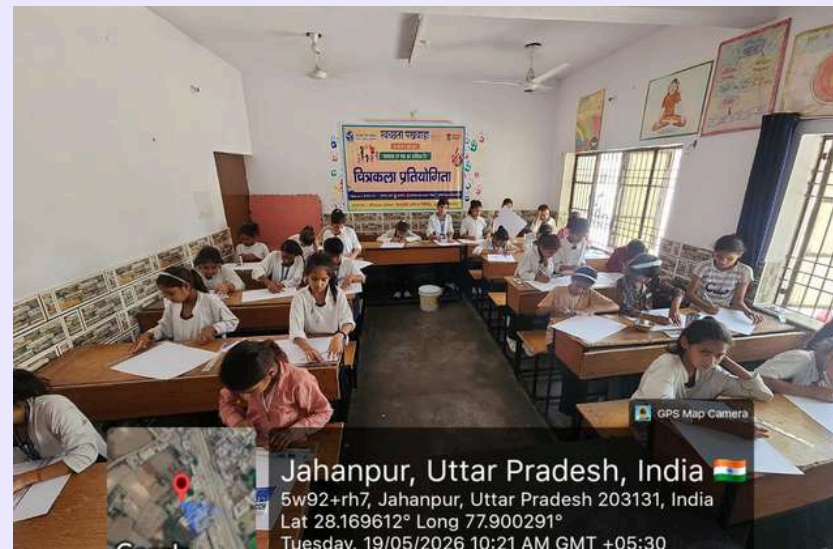
Pipalkoti

Signature Campaign

Essay Writing & Drawing Competition



Tehri



Khurja



Koteshwar



Kaushambi



Amelia



Jhansi



Namsai, APP



Rishikesh

Nukkad Natak



Tehri

Health Talk



Tehri



Pipalkoti



Kaushambi

Various Activities Conducted under Swachhata Pakhwada 2026

Cleanliness drive



Tehri



Khurja



Dhukwan SHEP



Namsai, APP



Koteswar



Pipalkoti



Kaushambi



Kasargod

Distribution of Items



Rishikesh



Tehri



Amelia



Kaushambi



Kasaragod



Koteswar



Rishikesh



Tehri

Swachhata Rally



Pipalkoti



Khurja



Amelia

Trash To Treasure



Rishikesh



Tehri



Kaushambi

आकारश्चाद्यमानोऽपि न शक्यो विनिगूहितुम्।  
Even if covered, one's true form or nature cannot be concealed.

HRD Corner

A 02-Day Training Program on “Planning for Superannuation: Retire to Re-Attire”



A 02-day training program on “Planning for Superannuation: Retire To Re-Attire” was successfully organized from 11<sup>th</sup> to 12<sup>th</sup> May 2026, at THDCIL’s Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for 52 executives from E2 to E9 level who were due for retirement during the period from May 2026 to December 2026. The program was designed to address the emotional, financial, social, and psychological aspects associated with superannuation. The initiative helps participants build clarity, confidence, and preparedness to manage lifestyle changes, health, family responsibilities, financial planning, and personal aspirations after retirement. The sessions were conducted by experienced faculty members Sh. Sudeep Malhotra and Sh. Amit Panday from M/s Strategic HR & Training, New Delhi, who delivered insightful and interactive sessions on retirement planning, emotional well-being, stress management, health consciousness, financial discipline, productive ageing, and maintaining a positive mindset.

A 03-Day Training Program on “Intermediate and Advanced MS Excel”



A 03-day training program on “Intermediate & Advanced Excel” was successfully organized from 20<sup>th</sup> to 22<sup>nd</sup> May, 2026 at THDCIL’s Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for 40 executives of E2 and E3 level, including newly appointed executives.

The program was designed to enhance the technical, analytical, and data management capabilities of participants through advanced application of MS Excel for effective office functioning, reporting, and data-driven decision-making. The training was particularly significant for newly appointed executives as it helped them develop practical digital skills required for efficient professional performance within the organization, reflecting the organization’s continuous commitment towards capacity building, digital skill enhancement, and professional development of its employees in alignment with modern organizational and technological requirements. The sessions were conducted by Sh. Vijay Agarwal, Expert Trainer of Excel from M/s Champ Excel Consulting, who delivered highly engaging and hands-on sessions with a strong focus on practical learning. The training methodology included live demonstrations, practical exercises, problem-solving activities, and real-time applications, enabling participants to directly relate the learning to their workplace requirements.

**A 03-Day Leadership Development Program on “Leadxcel – Empowering Corporate Excellence”**



A 03-day intensive leadership development program on “Leadxcel – Empowering Corporate Excellence” was successfully organized by HRD Centre in collaboration with M/s Ontological Leadership Foundation, from 6<sup>th</sup> to 8<sup>th</sup> May, 2026 at THDCIL’s Takshshila- Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh. The program was designed with the objective of nurturing transformational leadership capabilities, enhancing managerial effectiveness, strengthening interpersonal competencies, and fostering a culture of excellence, innovation, and collaborative growth among participants.

The program witnessed enthusiastic participation of senior and mid-level executives from leading organizations, including NTPC, GAIL, PGCIL, SECI, NHPC, NSPCL, and THDCIL. The diverse participation added immense value to the deliberations and enriched the overall learning experience of the attendees.

The sessions were delivered by eminent and highly experienced faculty members comprising Sh. Prabhat Kumar Sinha, Ex-Executive Director (NTPC), Sh. Ambika Prasad Dash from IIM-Ahmedabad, Sh. A.N. Verma, Founder Director, and Sh. Yogi Balakrishna, Spiritual Teacher & Founder Director, Ontological Leadership Foundation. Distinguished faculty members delivered insightful sessions on visionary leadership, emotional intelligence, self-awareness, communication excellence, organizational transformation, team dynamics, mindfulness, and value-based leadership practices through experiential learning and spiritual dimensions of personal growth.

**टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में 'हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता' का आयोजन**



टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के पुस्तकालय में 08 मई, 2026 को 'हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता' का समापन पुस्तकों की समीक्षा के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देना और हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि जगाना था। यह प्रतियोगिता 20 अप्रैल, 2026 से 08 मई, 2026 तक आयोजित की गई थी। इस अवधि के दौरान कारपोरेट कार्यालय के प्रतिभागी अधिकारियों व कर्मचारियों ने पुस्तकालय से अपनी पसंद की हिंदी पुस्तकें निर्गत (issue) कराईं। प्रतिभागियों ने पुस्तकों का गहन अध्ययन करने के बाद समापन अवसर पर निर्णायक मंडल के समक्ष अपनी उत्कृष्ट समीक्षाएं प्रस्तुत कीं।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन क्षेत्र के दो प्रख्यात शिक्षाविदों और साहित्यकारों द्वारा किया गया जिनमें सुनील दत्त थपलियाल (प्रवक्ता, भरत मंदिर इंटर कॉलेज, ऋषिकेश) एवं श्री अशोक शर्मा (शिक्षक एवं अध्यक्ष, 'आवाज' साहित्यिक संस्था, ऋषिकेश) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत में उप प्रबंधक (राजभाषा), श्री पंकज कुमार शर्मा ने निर्णायक मंडल के सम्मानित सदस्यों को 'प्लांट' भेंट कर स्वागत किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली जिसमें केंद्रीय संचार विभाग की सहायक प्रबंधक, डॉ. काजल परमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, मानव संसाधन (भर्ती) विभाग की सहायक प्रबंधक, श्रीमती दवनीत कौर ने द्वितीय एवं एमपीएस विभाग के उप महाप्रबंधक, श्री प्रवीण चन्द्र थपलियाल, तृतीय स्थान पर रहे। इसके साथ ही प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) कार्यालय के उप अधिकारी श्री जी.पी. नौटियाल और मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के कनिष्ठ अभियंता, श्री तरुण कुमार ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री अनिल मुंडू, हिंदी अनुभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित संस्थान के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

**आकारश्छाद्यमानोऽपि न शक्यो विनिगूहितुम्।  
Even if covered, one's true form or nature cannot be concealed.**

## लेडीज़ क्लब

### टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा मासिक बैठक एवं विदाई समारोह का आयोजन



टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 26 मई, 2026 को प्रत्येक माह की भांति मासिक बैठक का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन की प्रिय सखी श्रीमती रेखा कोठारी के सम्मान में भावपूर्ण विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती रेखा कोठारी का सैश पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन के साथ किया गया। तत्पश्चात उन्हें स्मृति-चिह्न स्वरूप एक पौधा एवं उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग ने श्रीमती कोठारी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की। क्लब की सदस्याओं एवं कार्यकारिणी समिति की सदस्याओं ने भी उनके साथ बिताए गए मधुर एवं अविस्मरणीय पलों को साझा करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं, जिससे वातावरण भावुक एवं आत्मीय हो उठा।

श्रीमती रेखा कोठारी ने भी क्लब के साथ बिताए गए स्वर्णिम क्षणों एवं सुखद अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्याओं ने तंबोला एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आनंदमय समय व्यतीत किया।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक माह की परंपरा के अनुसार मई माह में जन्मी दस्याओं का जन्मोत्सव भी हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। सभी सदस्याओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए इस अवसर का आनंद लिया।

### टिहरी परियोजना में नवीन श्रम संहिताओं पर जागरूकता सत्र का आयोजन



टिहरी परियोजना परिसर में 20 मई, 2026 को नवीन श्रम संहिताओं एवं नियमों के संबंध में एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ महाप्रबंधक (पुनर्वास समन्वय) श्री विजय सहगल, अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा/गुणवत्ता नियंत्रण) श्री बी.डी. सेमवाल, अपर महाप्रबंधक (ओ.एण्ड एम.) श्री भगत सिंह, अपर महाप्रबंधक (यांत्रिक) श्री संजय पंवार, श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) तथा दिनेश कुमार, क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात श्री मोहन सिंह श्रीस्वाल द्वारा श्री दिनेश कुमार को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

सत्र का आयोजन क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), देहरादून के सहयोग से किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री दिनेश कुमार द्वारा प्रतिभागियों को नवीन श्रम संहिताओं तथा 08 मई, 2026 को अधिसूचित केन्द्रीय श्रम नियमों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विशेष रूप से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड जैसे बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नवीन श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रश्न पूछे तथा श्रम कानूनों के अनुपालन में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों एवं अस्पष्टताओं पर चर्चा की। सभी प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को अत्यंत उपयोगी बताया तथा मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग, टिहरी के प्रयासों की प्रशंसा की। इस सत्र में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के टिहरी एवं कोटेश्वर परिसरों में संचालित विभिन्न अनुबंधों से जुड़े विभागाध्यक्षों, इंजीनियर-इन-चार्ज, संबंधित कार्यपालक अधिकारियों तथा ठेकेदार प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

## Beyond the Desk

## Battery Energy Storage System: A Leap towards India's Power Vision

In India's path to greener energy, Battery Energy Storage System (BESS) is progressively becoming a key component. They advocate for more adaptable and demand-responsive energy systems or grids while simultaneously encouraging greater integration of renewable sources like solar and wind. A BESS is basically a combination of batteries, power conversion devices, and control software that stores electricity when it is cheap or available in large amounts and then release when demand and costs are high. This technology will probably change how India manages peak demand, integrates renewable energy, and how both utilities and customers approach electricity pricing and dependability.



**Sh. Mohit Goel**  
Manager (Vigilance)  
Khurja STPP

### What is a Battery Energy Storage System?

A Battery Energy Storage System (BESS) stores electricity energy in chemical form mostly utilizing lithium-ion (Li-ion) or lithium-iron-phosphate (LFP) cells and transforms it back into electricity as required, through a power-conversion system (inverter/PCS). Its key parts are Battery modules or racks with a built-in battery management system that keep track of voltage, temperature, and state of charge to make sure batteries are safe and last longer, An inverter-based power conversion system (PCS) converts the DC output of the batteries into AC for local loads or the grid and Monitoring and supervisory control system running the BESS according to grid signals, power price, or predictions of renewable production.

BESS are installed at different scales depending on use, like Residential: a few kWh to tens of kWh behind the meter, Commercial and industrial (CCI): from hundreds of kWh to Multiple MWh, and Utility-scale: from multiple MWh to multiple GWh, often located at substations or generation sites.

Containerized or modular BESS units with capacities ranging from 500 kWh to 5 MWh are becoming popular in India for grid-scale and industrial uses. This is because they are easy to set up and work with existing infrastructure.

### How BESS Works in the Grid?

A Battery Energy Storage System(BESS) works as a “Shock absorber” for the grid from a system point of view. When demand is met by solar and wind generation (like during mid-day solar overproduction), the extra energy may be stored in the BESS instead of being used to limit grid capacity. To handle demand surges in the evening or morning, the BESS releases stored energy, thereby lowering reliance on expensive diesel generators or thermal stations.

BESS responds in milliseconds to changes in frequency or voltage on an operational level, therefore offering crucial auxiliary services, including Frequency regulation: maintaining a real-time equilibrium between supply and demand, Ramp-rate control: reducing the impact of rapid shifts in renewable energy output, and supporting voltages: strengthening unstable areas of the distribution network.

Putting BESS close to substations can help distribution firms (DISCOMs) put off costly feeder and transformer upgrade by lowering local peak loads. Onsite BESS allows companies to store cheaper off-peak or solar energy and utilize it during high-tariff periods, hence lowering energy costs and alleviating grid congestion for industrial clusters.

### BESS Adoption Drivers in India

Along with fast expanding peak power consumption, India's ambitious goal of reaching 500 GW of non-fossil fuel capacity by 2030 signals the grid cannot rely only on traditional thermal backup. Studies indicate that by 2030 India will need at least 60 GW of grid-level energy storage, with around half of that (42 GW, or 200-250 GWh) projected to come from Battery Energy Storage System (BESS).

Important motivators for BESS adoption include renewable energy sources that vary in intensity – Solar and wind power are naturally sporadic; BESS allows these sources to be “dispatchable”, therefore enabling customers to access 24/7 renewable electricity contracts, Peak-demand pressure: fast urbanization and industrial expansion are driving electricity demand beyond what the grid was built to manage, therefore making it financially viable to reduce peak loads using energy storage(peak shaving) &



Policy support: Central and state governments are encouraging BESS via storage mandates for solar and wind projects, viability-gap financing (VGF) programs, and the creation of separate tariffs for energy storage.

### Changing energy demand trends

BESS does more than just increase capacity; it alters the timing and method of meeting demand by shifting consumption from off-peak to peak times. BESS helps customers and distribution companies (DISCOMs) store inexpensive off-peak or surplus solar power, thereby replacing costly peak-hour generation or imports. Avoiding time-of-use tariffs that spike in the evenings or during heatwaves can greatly lower electricity costs in industrial environments. BESS also enables solar plants to provide electricity after sunset by releasing stored energy and supports wind farms in maintaining a steady output during quiet wind periods. Corporate off-takers and green grid agreements increasingly demand this round-the-clock (RTC) renewable energy model, thereby lessening reliance on fossil-fuel backup. Further, cutting losses and grid congestion by putting BESS close to congested feeders or densely populated cities allows utilities to inject power locally, reducing the need to send more current across lengthy, overloaded lines. This voltage stability enhancement reduces technical losses and postpones expensive network expansions. BESS-integrated mini-grids and solar-diesel hybrid systems offer consistent 24x7 electricity in rural and semi-urban settings without central grid expansion. For agricultural feeders, village clusters, and industrial parks prone to regular power failures, this method is especially advantageous. BESS essentially changes India's energy approach from one of "build more generation to meet peak demand" to a more sophisticated approach stressing intelligence and flexibility within the power system.

### Technical Challenges and Considerations

Battery Energy Storage System (BESS) has a lot of potential, but putting them into action in India on a large scale comes with several technological and financial difficulties.

- **Lifespan of batteries and degradation:** Naturally, lithium-based cells deteriorate over time, notably under deep cycling and heat exposure. Maintaining financial viability requires effective heat management, cautions management of the state-of-charge range, and planning grid-side duty cycles.
- **Fire safety regulations and standards:** Robust criteria for life detection, suppression, and ventilation must advance in conjunction with deployment as containerized BESS expand to multi-MWh capacities. To deal with these dangers, Indian producers and regulators are progressively following global safety standards.
- **Risk related to the Business model:** The financial viability of BESS initiatives is quite sensitive to tariff regimes, the length of peak hours, and policy stability. Alterations in top rates or supplementary service incentives greatly affect project profitability.

### Impact on India's future energy landscape

Battery Energy Storage System (BESS) can totally change India's energy future when they are used on a large scale.

- **Greater renewable ratio:** BESS "firms" solar and wind power, allowing non-hydro renewables to become the backbone of India's energy mix, therefore lowering greenhouse gas emissions and reliance on imported fossil fuels.
- **More robust and dispersed network:** Microgrids and industrial parks backed by local communities and outfitted with BESS have the capacity to maintain functionality throughout short-term power failures, hence strengthening operational and financial stability.
- **Lower long-run costs:** Although initial capital investment is high, BESS can defer costly transmission and distribution upgrades, minimize fuel expenses for peaking plants, and reduce average power bills over time.

In a country like India, where millions of people still experience intermittent power supply and urban points face high demand pressure, BESS a strategic enabler of a cleaner, more flexible, and demand-responsive grid. As policies become more clear and deployments expand from pilot project to real nationwide initiatives, battery energy storage is poised to become as integral part of India's power system as the turbines and transmission lines it supports.

**My Inter-CPSU Badminton Journey (2014-2025): Lessons Beyond the Court**



Life is often compared to a journey, but it can also be viewed through the lens of sport. In any sporting contest, the beginning and the end are defined, but what truly matters is the effort, discipline, perseverance, and learning that unfold in between. Successes and setbacks are both part of the game, and each experience contributes to personal growth. For me, badminton has been more than a sport. Over the years, it has been a source of learning, discipline, friendship, and resilience. The journey that began in 2013 as an enthusiastic amateur gradually became an important part of my life, teaching lessons that extended well beyond the badminton court.

My journey with badminton began in 2013. I was an amateur and inexperienced player, but enthusiastic. I barely understood positioning, the “hands” and often covered only the net shots. My mixed doubles partner would scold me frequently, but always with the right intent, that is to help me improve and to win as a team. Over time, I realized something important— it’s not what comes your way, but how you receive it. Years later, I found myself in a similar role, guiding and sometimes scolding my own students. I just hope they understood my intent the same way I eventually understood my partner’s! I learned the game at Shipra Hall in Rishikesh. With encouragement from a senior who believed in building a consistent routine, we formed a small group and managed to secure a 9 PM slot—the only one available at that time. It wasn’t ideal, but we made it work. Over time, through consistency and commitment, we earned better timing, from 9 PM to 7–9 PM. That shift wasn’t just about convenience; it was a reflection of discipline and constancy paying off. I remain deeply grateful to the Badoni brothers of Rishikesh for their patience and dedication in shaping our foundation.

Those days were special. Beyond work discussions, we spent hours talking about strategy, analysing games, sharing lessons. We were united by a shared excitement to learn and grow. In February 2014, I had the opportunity to represent THDCIL in the 18th Inter-CPSU Badminton Tournament. That moment marked the beginning of my journey in ICPSU tournaments. Back then, only five women’s teams participated—MOP, THDCIL, SJVNL, PFC, and REC—each led by women who played not just to compete, but out of genuine passion for the sport. That spirit left a lasting impression on me. Since then, the journey has continued—filled with achievements, challenges, and countless lessons. I’ve always tried to represent my organization with dedication, both through performance and through meaningful connections with fellow participants.

Between 2015 and 2017, I went through a phase of anger issues. It wasn’t an easy time, but badminton became my refuge—my therapy. I committed myself to improvement, waking up at 5 AM, training consistently, and channeling my energy into the game. And I can say this with conviction: “Badminton Therapy” truly works. Then came 2020—the pandemic. The courts closed, but my determination didn’t. I turned to running at 6 AM to stay physically prepared, holding onto the hope that I would soon be back on court, representing my organization once again. That same year, I was transferred from Rishikesh to Tehri. One of my first priorities was finding a new badminton group—and I did. Soon, I was back to early morning sessions at 5:30 AM, rediscovering the rhythm of “Early to bed, early to rise.”

So far, I’ve spoken about the positive aspects of my journey. But no journey is ever perfectly smooth. Mine had its share of setbacks, like severe back pain that kept me away from badminton for 2–3 months. It felt like losing a part of myself, as the game had become my therapy. Missing the 26th and 27th ICPSU tournaments due to unavoidable reasons. An accident just before the 28th tournament and a month-long struggle with vertigo/balance problem in late 2024.

Over the years, participation in 11 Inter-CPSU tournaments has been a rewarding experience, bringing both achievements (23 Gold Medals, 4 Silver Medals, and 1 Bronze Medal) and valuable learning opportunities. However, if there is one thing that truly defines this journey, it is not the medals or results, but the lessons learned along the way.



**Ms. Bhawna Rawat**  
**Sr. Manager (Planning)**  
**Khurja STPP**

Each tournament taught me something valuable:

- 20th Tournament (2016): Eat light before a match. Confidence is good— overconfidence is not.
- 21st Tournament (2017): Accept defeat gracefully. Stay composed, even when things feel unfair. Practice humility.
- 24th Tournament (2019): When options are limited, trust your instincts and enjoy the process.
- 25th Tournament (2021): After a certain age, you don't just play the game—you learn to respect your body. Warm-up and stretching, before and after the match, are no longer optional; they become essential.
- 28th Tournament (2024): No matter the situation, keep fighting. Apply everything you've learned—your time will come.
- 29th & 30th Tournaments (2024–25): Comebacks are real. With age, you don't slow down—you adapt and push harder. This is my story. And I'm certain each of you has your own—perhaps not in sports, but in life, work, or personal battles. Stories that are just as meaningful, just as inspiring.

From Tehri HPP, I was transferred to Khurja STPP in early 2026. At present, I'm doing my best to stay connected with the game despite the change, so my practice, my "therapy", continues in fragments, with frequent breaks. But this time, there is no uncertainty—only belief that the game will continue.

No journey is complete without gratitude. I owe mine to my Teammates, THDC Management, my HOP, my HOD, departmental colleagues, friends (inter-CPSU as well), and well-wishers who supported me at every step. And a special thanks to the visionaries who introduced digitization in our workplaces, it truly made a difference in balancing professional and personal pursuits. Looking back, one lesson stands out clearly: sports help shape not only physical fitness but also character. The values of discipline, teamwork, resilience, respect for others, and the ability to accept both victory and defeat gracefully are equally important in professional and personal life.

A true sportsman is defined not merely by performance, but by sportsmanship, the attitude with which challenges, successes, and setbacks are approached. Maintaining balance between health, work, family, and personal interests is equally important for long-term growth and well-being.

In badminton, every match begins with the words "Love All". It is a simple expression, but one that reflects fairness, respect, and positivity. These are values that remain relevant far beyond the boundaries of a badminton court. The game continues, and so does the journey.

## भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं



श्री संजय गोयल  
उप महाप्रबंधक (एच.एम.)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री जगत राम कोठारी  
उप महाप्रबंधक (परिकल्प-सिविल)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री एस. सी. जोशी  
वरिष्ठ प्रबंधक (प्रापण)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री मनोज रांगड  
वरिष्ठ प्रबंधक (सा. एवं पर्या.)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री रोशन लाल  
वरि. कार्य सहायक (केन्द्रीय संचार)  
ऋषिकेश  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री गोविंद सिंह  
वरिष्ठ सहायक/टंकक (गु. नि.)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री कीर्ति सिंह  
परिचारक (सी.एस.आर.)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026



श्री रणबीर सिंह  
परिचारक (सुरक्षा)  
टिहरी  
सेवानिवृत्ति: 31.05.2026

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित

फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www.thdc.co.in, ईमेल: prthdcil@thdc.co.in

गृह पत्रिका/न्यूज़ लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।  
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)